

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250

Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हुए हैं ।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

- (a) आपके विचार में, जॉन रॉल्स प्लेटो की न्याय की संकल्पना को किस सीमा तक जारी रखे हुए है ?

How far do you think John Rawls is continuing with Plato's concept of justice ?

10

- (b) आधुनिक धर्मनिरपेक्ष राज्य में, धर्मतंत्र की स्थिति पर चर्चा कीजिए ।

Discuss the status of theocracy in the modern secular state.

10

- (c) राजनीतिक अराजकतावादी के रूप में, महात्मा गाँधी का मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate Mahatma Gandhi as a political anarchist.

10

- (d) क्या भ्रष्टाचार सामूहिक हिंसा का एक रूप नहीं है ? चर्चा कीजिए ।

Is corruption not a form of mass violence ? Discuss.

10

- (e) क्या स्त्री-पुरुष समानता को समाजवादी शासन-प्रणाली में साकार किया जा सकता है ? विश्लेषण कीजिए ।

Can gender equality be realised within a socialist regime ? Analyse.

10

- Q2. (a) क्या अधिकार नागरिकों को राज्य के प्रति जवाबदेह बनाते हैं ? वर्तमान भारतीय परिदृश्य के संदर्भ में तर्क प्रस्तुत कीजिए ।

Do rights make citizens accountable to the State ? Argue in the context of the present Indian scenario.

20

- (b) बहुसांस्कृतिकता के विचारों पर वर्णनात्मक एवं आदर्शक परिप्रेक्ष्य क्या-क्या हैं ?

What are the descriptive and normative perspectives on ideas of multiculturalism ?

15

- (c) क्या प्रौद्योगिकीय विकास, समाज के नैतिक मानकों में प्रगति की ओर ले जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।

Does technological development lead to progress in the ethical standards of the society ? Explain.

15

- Q3.** (a) चर्चा कीजिए कि ऑस्टिन की संप्रभुता की संकल्पना कौटिल्य की संप्रभुता की संकल्पना के साथ कहाँ तक मेल खाती है ।
Discuss how far does Austin's concept of sovereignty go along with Kautilya's concept of sovereignty. 20
- (b) समालोचनापूर्वक विचार कीजिए कि स्त्री-पुरुष भेदभाव वास्तव में मनुष्य-निर्मित संकल्पना है न कि प्रकृति के द्वारा प्रदान किया गया है ।
Consider critically, that gender discrimination is a rather man-made concept but not naturally endowed. 15
- (c) आपके विचार में प्रचलित मुक्त बाज़ार अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, मार्क्सवाद का भविष्य क्या है ?
What do you consider to be the future of Marxism in the context of the prevalent free market economy? 15
- Q4.** (a) परीक्षण कीजिए कि क्या धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र की दार्शनिक आधारभूमि के बारे में महात्मा गाँधी और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों में कोई भेद है अथवा नहीं है ।
Examine whether there is any difference between the views of Mahatma Gandhi and Dr. Babasaheb Ambedkar on the philosophical foundations of secular democracy. 20
- (b) क्या स्वतंत्रता, समता को परिसीमाओं में बाँधती है ? चर्चा कीजिए ।
Does liberty put limitations to equality ? Discuss. 15
- (c) क्या मृत्युदण्ड सामाजिक न्याय के सिद्धांत को निर्बल बनाता है ? चर्चा कीजिए ।
Does capital punishment weaken the doctrine of social justice ? Discuss. 15

खण्ड B
SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : 10×5=50

(a) आत्मानुभूति प्रकटन में साधनरूप क्या है : आस्था या तर्क ? अपने मत की पुष्टि कीजिए ।

What is instrumental to self-revelation : Faith or Reason ? Justify your position. 10

(b) क्या आज के वैश्वीकरण संसार में धर्म मानवता के लिए एक एकीकारी बल है ? चर्चा कीजिए ।

Is religion a uniting force for humanity in the globalizing world as of today ? Discuss. 10

(c) क्या धर्म के नाम पर हिंसा के समर्थन में कोई दार्शनिक तर्क संभव है ? चर्चा कीजिए ।

Can there be a philosophical argument to support violence in the name of religion ? Discuss. 10

(d) क्या धार्मिक जीवन प्रणाली में निष्ठावान् प्रतिबद्धता मनुष्य को सामाजिक नैतिकता से पथभ्रष्ट कर देती है ? परीक्षण कीजिए ।

Does a devoted commitment to a religious way of life make man go astray from social morality ? Examine. 10

(e) जैन धर्म में ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रतिपादित प्रमाणों का कथन कीजिए और मूल्यांकन कीजिए ।

State and evaluate the proofs for the existence of God as propounded in Jainism. 10

Q6. (a) चर्चा कीजिए कि धार्मिक प्रतीकवाद रहस्यवाद को जन्म देता है अथवा नहीं और कैसे जन्म देता है ।

Discuss whether and how does religious symbolism lead to mysticism. 20

(b) अहित एवं अपवित्र की अवधारणाएँ धर्म को मजबूत नींव प्रदान करने में क्या भूमिका निभाती हैं ?

What role do the concepts of evil and profane play to provide a firm foundation to religion ? 15

(c) एक धार्मिक व्यक्ति कैसे ईश्वरविहीन धर्म की संभावना से इनकार करेगा ? चर्चा कीजिए ।

How would a religious person deny the possibility of a religion without God ? Discuss. 15

- Q7.** (a) धार्मिक बहुतत्त्ववादियों एवं धार्मिक अनन्यतावादियों के बीच वाद-विवाद में केंद्रीय समस्या को प्रतिपादित कीजिए और स्पष्ट कीजिए ।

Explain and explain the central problem in the discussion between religious pluralists and religious exclusivists. 20

- (b) सभी समय नैतिक किस कारण बना रहे, इस बात का पूर्णरूपेण समाधान धर्मनिरपेक्ष नैतिकता नहीं निकाल सकती है । परीक्षण कीजिए ।

Secular ethics cannot fully resolve as to why one should be moral all the time. Examine. 15

- (c) धार्मिक अनुभव को किस सीमा तक सार्वजनिक संवाद का एक विषय बनाया जा सकता है ? विश्लेषण कीजिए ।

How far can religious experience be made a topic of public discourse ? Analyse. 15

- Q8.** (a) हिन्दू धर्म में कर्म, पुनर्जन्म एवं पुनःअवतरण के सिद्धांतों का कथन कीजिए और उनको स्पष्ट कीजिए ।

State and explain the doctrines of Karma, Rebirth and Reincarnation in Hinduism. 20

- (b) ईश्वर के वैयक्तिक एवं अवैयक्तिक स्वरूपों का कथन कीजिए और मूल्यांकन कीजिए ।

State and evaluate the personalistic and impersonalistic aspects of God. 15

- (c) भारत में किसी एक धर्म के अनुसार, मानव और ईश्वर के बीच संबंध पर चर्चा कीजिए ।

Discuss the relationship between man and God according to any one of the religions in India. 15

